Email : ideacitinews@gmail.com

एक नये कल के लिए एक नई आवाज

www.ideacitinews.com



आइडियासिटी

वर्ष : 5 |अंक : 321

शुक्रवार, 27 नवंबर 2026



ADDRESS : OPPOSITE GOVT. BUS STAND, RANCHI ROAD, BIHARSHARIF (NALANDA)

छोटी चोरी से हत्या तक... अपराध की दुनिया में धकेले जा रहे नाबालिग

हर महीने JJB पहुंच रहे 100 मामले, माफियाओं के चंगुल में बर्बाद हो रहा किशोरों का भविष्य मोबाइल-बाइक का लालच देकर स्कूली बच्चों को भी बना रहे अपराध का मोहरा

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताबें और आंखों में भविष्य के सपने होने चाहिए, उस उम्र में कई किशोर अपराध की दुनिया में कदम रख रहे हैं। शुरुआत छोटी-मोटी चोरी और शराब की सप्लाई से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यही कदम छिनतई, रोड रॉबरी, डकैती और हत्या जैसे गंभीर अपराधों तक पहुंच रहे हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अपराध से जुड़ चुके किशोरों की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें दोबारा अपराध की राह पर जाने से रोकने की प्रभावी व्यवस्था जिले में नजर नहीं आती। नालंदा में हर दिन औसतन एक से दो नाबालिग किसी न किसी आपराधिक गतिविधि से जुड़ रहे हैं। किशोर न्याय परिषद (JJB) में हर महीने औसतन 100 विधि-विरुद्ध किशोरों से जुड़े मामले सुनवाई के लिए पहुंच रहे हैं। इनमें करीब 20 से 30 प्रतिशत मामलों का संबंध चोरी, शराब सप्लाई, छिनतई और डकैती जैसी गतिविधियों से बताया जाता है। लगातार बढ़ते मामलों के बीच JJB की लंबित फाइलों का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। JJB में आने वाले मामलों और उनके निष्पादन के आंकड़े स्थिति की गंभीरता दिखाते हैं। उपलब्ध विभागीय रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर 2023 तक परिषद में 1479 मामले लंबित थे। हर महीने औसतन 100 नए मामले पहुंच रहे थे, जबकि 30 से 40 मामलों का ही निष्पादन हो पा रहा था। यानी जितने मामले निपटाए जा रहे थे, उससे कहीं अधिक मामलों का दबाव व्यवस्था पर बना हुआ था। रिपोर्ट के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2023 में 157 मामले आए और 86 का निष्पादन हुआ। अप्रैल में 123 मामले आए और 65 निपटाए गए। मई में 125 मामले आए, जबकि 112 का निष्पादन हुआ। जून में 100 में से 43, जुलाई में 116 में से 86, अगस्त में 109 में से 69 और सितंबर में 109 में से महज 30 मामलों का निष्पादन हुआ। अक्टूबर में 70 मामले आए और 34 का निपटारा किया गया। इसके बाद लंबित मामलों की संख्या बढ़कर 1479 पहुंच गई।



कानून में सुधार का मौका, लेकिन निगरानी कौन करेगा?

किशोर न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल कानूनी कार्रवाई करना नहीं, बल्कि बच्चों को सुधारकर मुख्यधारा में वापस लाना भी है। लेकिन यदि किसी किशोर पर एक बार कार्रवाई होने के बाद उसकी गतिविधियों की निगरानी नहीं हो, तो उसके दोबारा अपराध में शामिल होने का खतरा बना रहता है। इसी कमी का फायदा अपराधी गिरोह उठा सकते हैं।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, जिले में ऐसे किशोरों की गतिविधियों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सूचीबद्ध करने और उन पर लगातार नजर रखने के लिए कोई प्रभावी सरकारी या गैर-सरकारी व्यवस्था सामने नहीं है। न ही किसी एनजीओ की ओर से इस दिशा में नियमित निगरानी की जानकारी मिली है। जबकि किशोर न्याय अधिनियम के तहत थाना स्तर पर भी ऐसी निगरानी का प्रावधान बताया गया है।

मोबाइल-बाइक का लालच, फिर अपराध में इस्तेमाल

चिंता सिर्फ किशोरों के अपराध में शामिल होने की नहीं, बल्कि उन्हें अपराध के लिए इस्तेमाल किए जाने की भी है। आरोप है कि कुछ आपराधिक गिरोह आर्थिक रूप से कमजोर और मजबूर परिवारों के किशोरों को लालच देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं। मोबाइल, बाइक और पैसों का प्रलोभन देकर स्कूली बच्चों तक को छोटी-मोटी चोरी, शराब की सप्लाई, छिनतई और अन्य आपराधिक गतिविधियों में धकेला जा रहा है। एक बार अपराध की दुनिया में कदम रखने के बाद किशोरों के सामने वापसी की राह और मुश्किल हो जाती है। परिवार और समाज की उपेक्षा तथा हीन भावना उन्हें और अलग-थलग कर देती है। ऐसे में अपराधी गिरोह उन्हें अपने प्रभाव में बनाए रखने में सफल हो जाते हैं। बताया जाता है कि करीब 20 प्रतिशत ऐसे किशोर हैं, जिनका नाम अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक से अधिक आपराधिक गतिविधियों में सामने आता है।

JJB में बदलाव, लेकिन लंबित मामलों की चुनौती बरकरार

JJB नालंदा के अभियोजन पदाधिकारी जयप्रकाश के अनुसार, किशोरों की गतिविधियों पर नजर रखने की व्यवस्था थाना स्तर पर होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि कई महीनों तक परिषद में प्रधान सदस्य का प्रभार प्रभारी के रूप में संचालित हो रहा था। अब नए प्रधान सदस्य आए हैं, लेकिन JJB कार्यालय के नए स्थान पर स्थानांतरित होने के कारण भी मामलों के निष्पादन की संख्या प्रभावित हुई है।
सवाल यह है कि जिन किशोरों का भविष्य अभी संवर सकता है, उन्हें अपराधी गिरोहों के हाथों में जाने से बचाने की जिम्मेदारी कौन उठाएगा? केवल JJB में मुकदमों की सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया पूरी करना पर्याप्त नहीं है।

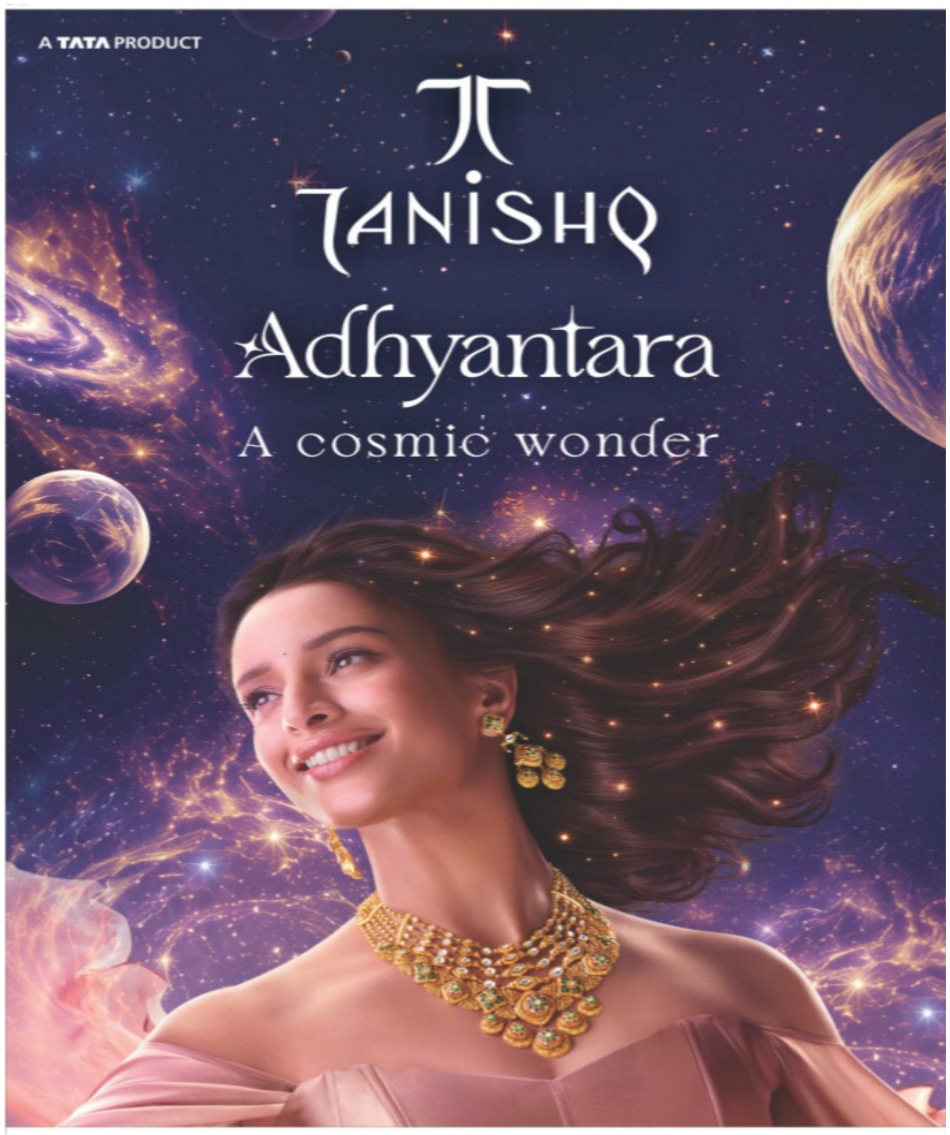

M.G. ROAD, BHARAOPAR, BIHARSARIF (NALANDA) CALL : 9031367502/03





अब फर्नीचर खरीदने के लिए पटना क्यों जाएं?

125 साल की विरासत, मॉडर्न डिजाइन और भरोसे का संगम... बिहारशरीफ में ही मिलेगा Godrej Interio का प्रीमियम कलेक्शन!

लोकल फर्नीचर की कीमत भले कम हो, लेकिन डिजाइन, आधुनिक तकनीक, फिनिशिंग, उत्पादों की विविधता और व्यवस्थित सर्विस के मामले में ब्रांडेड फर्नीचर की अपनी अलग पहचान है। नालंदा के ग्राहकों के लिए रांची रोड पर खुला है बेहतर विकल्प।

आइडियासिटी बाजार संवाददाता

बिहारशरीफ। घर सिर्फ दीवारों, छत और दरवाजों से नहीं बनता, उसे खूबसूरत बनाती है आपकी पसंद। बेडरूम में सुकून देने वाला बेड, ड्राइंग रूम में मेहमानों का स्वागत करता स्टाइलिश सोफा, परिवार को एक साथ जोड़ने वाली डाइनिंग टेबल और सामान को करीने से रखने वाली आधुनिक अलमारी... फर्नीचर ही घर को घर जैसा एहसास देता है।

लेकिन जब बात अपने सपनों के घर को सजाने की आती है, तो सवाल सिर्फ कीमत का नहीं रह जाता। डिजाइन कैसा है? गुणवत्ता कितनी बेहतर है? कितने विकल्प उपलब्ध हैं? और खरीदारी के बाद सर्विस कैसी मिलेगी? इन्हीं सवालों के बीच देश के प्रतिष्ठित फर्नीचर ब्रांड Godrej Interio ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

अब इस ब्रांड के फर्नीचर और मैट्रेस कलेक्शन को देखने के लिए नालंदा के लोगों को पटना या दूसरे बड़े शहरों का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं। बिहारशरीफ के रांची रोड पर मौजूद Interio by Godrej शोरूम स्थानीय ग्राहकों को एक ही छत के नीचे ब्रांडेड फर्नीचर की दुनिया से रूबरू होने का अवसर दे रहा है।





सिर्फ फर्नीचर नहीं, घर को नया अंदाज देने का पूरा कलेक्शन!

Godrej Interio की खासियत इसकी विस्तृत उत्पाद श्रृंखला है। यहां घर के अलग-अलग हिस्सों की जरूरतों के अनुसार फर्नीचर के कई विकल्प मिलते हैं।

बेडरूम को दें लग्जरी लुक : आकर्षक बेड, स्टोरेज बेड, किंग एवं क्वीन साइज बेड, आधुनिक वार्डरोब, स्टील अलमारी, ड्रेसिंग टेबल और बेडसाइड टेबल।

लिविंग रूम बने घर की शान : स्टाइलिश सोफा सेट, रिक्लाइनर, सोफा-कम-बेड, टीवी यूनिट, कॉफी टेबल और डिस्प्ले यूनिट।

डाइनिंग एरिया में अपनों का साथ : आकर्षक डाइनिंग टेबल, आरामदायक चेयर और अलग-अलग डिजाइन के डाइनिंग सेट।

स्मार्ट स्टोरेज, व्यवस्थित घर : आधुनिक अलमारी, वार्डरोब, शू कैबिनेट और जरूरत के अनुसार स्टोरेज समाधान।

ऑफिस और स्टडी के लिए भी विकल्प : एर्गोनॉमिक चेयर, ऑफिस टेबल, वर्कस्टेशन, स्टडी टेबल और कंप्यूटर चेयर।

यानी घर हो, फ्लैट हो या ऑफिस, जरूरत के मुताबिक फर्नीचर चुनने के लिए ग्राहकों को एक बड़े ब्रांड की विविध रेंज देखने का अवसर मिलता है।

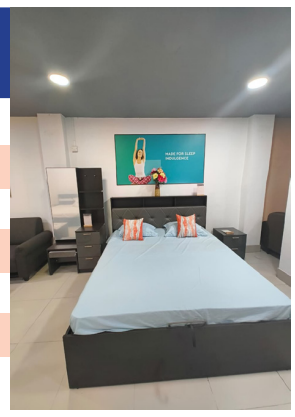

लोकल फर्नीचर सस्ता, फिर ब्रांडेड फर्नीचर में क्या है खास?

● यह सवाल हर ग्राहक के मन में आता है कि जब स्थानीय बाजार में कम कीमत पर फर्नीचर मिल रहा है, तो ब्रांडेड फर्नीचर पर अतिरिक्त खर्च क्यों किया जाए?

दरअसल, दोनों के बीच अंतर सिर्फ कीमत का नहीं, बल्कि पूरी खरीदारी के अनुभव का भी है। स्थानीय बाजार में ग्राहक को अपनी पसंद और जरूरत के मुताबिक कस्टमाइजेशन तथा मोलभाव का फायदा मिल सकता है। वहीं संगठित ब्रांड में निर्धारित डिजाइन, उत्पाद स्पेसिफिकेशन, मटेरियल, फिनिशिंग और निर्माण प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

इसके साथ पैकेजिंग, डिलीवरी, इंस्टॉलेशन, उत्पाद के अनुसार वारंटी और ग्राहक सहायता जैसी व्यवस्थाएं भी खरीदारी को अधिक व्यवस्थित बनाती हैं।

यही वजह है कि ब्रांडेड फर्नीचर खरीदने वाले ग्राहक केवल एक सामान नहीं, बल्कि डिजाइन, गुणवत्ता और खरीदारी के बाद मिलने वाली सुविधाओं को भी महत्व देते हैं।

● तकनीक के साथ बदल रहा है फर्नीचर खरीदने का अंदाज

आज का ग्राहक सिर्फ खूबसूरत फर्नीचर नहीं चाहता, बल्कि ऐसा डिजाइन चाहता है जो कम जगह में भी ज्यादा उपयोगी हो। खासकर छोटे फ्लैट और आधुनिक मकानों में स्पेस मैनेजमेंट बड़ी जरूरत बन चुका है।

Godrej Interio इस बदलती जरूरत को ध्यान में रखते हुए 3D रूम प्लानर और 3D कॉन्फिगरेटर जैसे डिजिटल टूल भी उपलब्ध कराता है। इनकी मदद से ग्राहक कमरे के आकार और अपनी जरूरत के अनुरूप फर्नीचर की योजना बनाने में मदद ले सकते हैं।

यानी अब फर्नीचर चुनने का मतलब सिर्फ दुकान में जाकर सामान पसंद करना नहीं, बल्कि अपने घर की जरूरत के मुताबिक बेहतर प्लानिंग करना भी है।



खरीदारी के बाद भी सर्विस का भरोसा

बड़े फर्नीचर की खरीदारी में डिलीवरी और इंस्टॉलेशन बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। बेड, वार्डरोब या सोफा घर तक पहुंचने के बाद उसकी सही फिटिंग भी जरूरी है। Godrej Interio की आधिकारिक ग्राहक सहायता व्यवस्था में उत्पाद के अनुसार वारंटी, डिलीवरी, इंस्टॉलेशन और सर्विस सपोर्ट जैसी सुविधाएं शामिल हैं। बिहारशरीफ के रांची रोड स्थित शोरूम की आधिकारिक स्टोर लिस्टिंग में भी होम इंटीरियर कंसल्टेशन, डिलीवरी और इंस्टॉलेशन सेवाओं का उल्लेख है।

नालंदा में ही प्रीमियम फर्नीचर का विकल्प

बिहारशरीफ और आसपास के इलाकों में नए मकानों के निर्माण, आधुनिक फ्लैट और घरों की साज-सज्जा को लेकर लोगों की पसंद बदल रही है। ऐसे में ब्रांडेड फर्नीचर का स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होना ग्राहकों के लिए सुविधाजनक विकल्प बन सकता है। अगर आप नया घर सजा रहे हैं, पुराने फर्नीचर को बदलना चाहते हैं या अपने बेडरूम, लिविंग रूम और ऑफिस को नया लुक देने की तैयारी में हैं, तो रांची रोड स्थित Godrej Interio शोरूम जरूर विजिट करें। कीमत की तुलना जरूर कीजिए, लेकिन डिजाइन, मटेरियल, वारंटी और सर्विस की जानकारी लेने के बाद ही फैसला कीजिए। क्योंकि फर्नीचर रोज खरीदा नहीं जाता, यह आपके घर और जीवनशैली का लंबे समय तक हिस्सा रहता है।



VISIT TODAY

INTERIO BY GODREJ

125+ वर्षों की विरासत से जुड़ा भरोसा, आधुनिक डिजाइन के साथ!

पता: रांची रोड, बिहारशरीफ, नालंदा।

अपने सपनों के घर को दीजिए एक नया अंदाज!

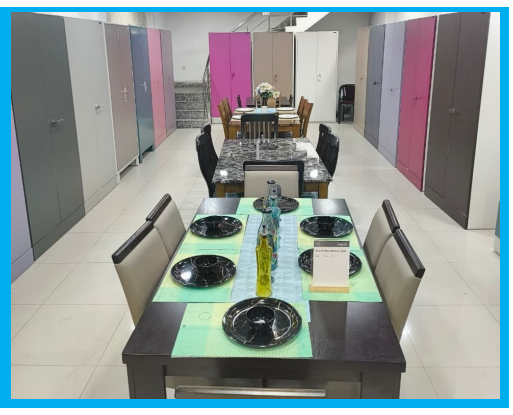

प्लास्टिक कचरे से बन रहीं बेंच, टाइल्स और सड़कें, गांवों में रोजगार का नया मॉडल

बिहार के 175 प्लास्टिक अपशिष्ट केंद्रों से बदल रही तस्वीर, कचरा बना कमाई का जरिया

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। जिस प्लास्टिक कचरे को गांवों में पर्यावरण के लिए मुसीबत माना जाता था, वही अब उपयोगी उत्पाद और रोजगार का साधन बन रहा है। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण के तहत बिहार में प्लास्टिक अपशिष्ट के संग्रहण, छंटाई और पुनर्चक्रण की पहल को गति मिल रही है। राज्य में संचालित 175 प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाइयां इस बदलाव में अहम भूमिका निभा रही हैं। सीतामढ़ी में सिंगल यूज प्लास्टिक से बेंच, डेस्क और रैक तैयार किए जा रहे हैं। बाजपट्टी केंद्र पर पहले चरण में चार हजार किलोग्राम प्लास्टिक से करीब 85 बेंच और डेस्क बनाए गए। इस मॉडल की सराहना प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में भी की थी। सुपौल के छातापुर में प्लास्टिक कचरे से दाने तैयार किए जा रहे हैं। यहां प्रतिमाह करीब पांच टन प्लास्टिक दाने बनते हैं, जिनका मूल्य लगभग 1.50 लाख रुपये है। इस इकाई से 15 लोगों को रोजगार मिला है। वहीं, सीवान में प्लास्टिक सहित अन्य कबाड़ के संग्रहण और प्रसंस्करण से 22 लोगों को स्थायी रोजगार मिला है। औरंगाबाद में प्लास्टिक से इंटरलॉकिंग टाइल्स और गमले बनाए जा रहे हैं। पूर्णिया, खगड़िया और औरंगाबाद में करीब 7.5 टन प्लास्टिक के इस्तेमाल से 10.5 किलोमीटर सड़क का निर्माण भी किया गया है। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार के अनुसार, इस पहल से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय उद्यमिता और रोजगार को एक साथ बढ़ावा मिल रहा है। अब प्लास्टिक कचरा समस्या के बजाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए संसाधन बन रहा है।

राजगीर जू एवं नेचर सफारी को मिलेगा प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड

इको टूरिज्म में बिहार की छलांग, राजगीर की जू और नेचर सफारी को राष्ट्रीय सम्मान

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बिहार में पर्यटन के साथ वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के प्रयासों को राष्ट्रीय हचान मिलने जा रही है। राजगीर जू एवं नेचर सफारी को सतत इको टूरिज्म और प्रशासनिक नवाचार के लिए प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। 19 दिसंबर को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। लगभग 191.12 हेक्टेयर में फैली राजगीर जू सफारी बिहार की पहली जू सफारी है। इसका उद्घाटन 16 फरवरी 2022 को हुआ था। यहां शेर, बाघ, भालू, तेंदुआ सहित विभिन्न वन्यजीवों के लिए अलग-अलग सफारी जोन बनाए गए हैं। वहीं, करीब 550 हेक्टेयर में विस्तारित नेचर सफारी पर्यटकों को ग्लास स्काईवॉक, सस्पेंशन ब्रिज, जिपलाइन, स्काई बाइकिंग, बटरफ्लाई पार्क और औषधीय उद्यान जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराती है। सफारी प्रबंधन में क्यूआर कोड टिकटिंग, जीपीएस ट्रैकिंग, सीसीटीवी निगरानी और केंद्रीय नियंत्रण कक्ष जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल हो रहा है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, बिहार के इको टूरिज्म स्थलों पर पर्यटकों की संख्या 2022-23 में 55.20 लाख से बढ़कर 2024-25 में 74.90 लाख हो गई। राजगीर नेचर सफारी में भी पर्यटकों की संख्या 1.59 लाख से बढ़कर करीब तीन लाख पहुंच गई है। यह सम्मान बिहार में प्रकृति आधारित पर्यटन को नई पहचान देने वाला माना जा रहा है।

बिहार में 2.50 लाख मिट्टी नमूनों की होगी जांच, किसानों को मिलेगा मृदा स्वास्थ्य कार्ड

कृषि मंत्री विजय सिन्हा ने बढ़ाया लक्ष्य, वैज्ञानिक खेती से घटेगी लागत और बढ़ेगी फसलों की उत्पादकता

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। खेतों की मिट्टी की सेहत सुधारकर किसानों की आमदनी बढ़ाने की दिशा में बिहार सरकार ने मृदा जांच अभियान का दायरा बढ़ा दिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब राज्य में 2.50 लाख मिट्टी नमूनों का संग्रहण और वैज्ञानिक विश्लेषण किया जाएगा। पहले इसके लिए 1.50 लाख नमूनों का लक्ष्य निर्धारित था। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने नवंबर में एक लाख अतिरिक्त नमूनों का लक्ष्य दिया है। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 1,38,678 मिट्टी नमूनों का संग्रहण किया जा चुका है। इनमें से 1,23,763 नमूनों की वैज्ञानिक जांच पूरी कर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध कराया गया है। मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरता योजना के तहत खेतों से मिट्टी के नमूने लेकर प्रयोगशालाओं में जांच की जाती है। इसके आधार पर किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता और खेत के रकबे के अनुसार जरूरी पोषक तत्वों एवं उर्वरकों के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है। मंत्री ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध इस्तेमाल पर रोक लगाना और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखना है। संतुलित खाद के उपयोग से खेती की लागत कम होने के साथ फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने किसानों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई अनुशंसाओं के अनुसार खेती करने की अपील की। सरकार का लक्ष्य स्वस्थ मिट्टी के जरिए टिकाऊ कृषि व्यवस्था और समृद्ध किसान का आधार तैयार करना है।

बिहार में AEDO के 935 पदों पर बहाली, एक दिसंबर से आवेदन

पुराना विज्ञापन रद्द, BPSC ने जारी किया नया नोटिफिकेशन; 31 दिसंबर तक भर सकेंगे फॉर्म

आइडियासिटी संवाददाता

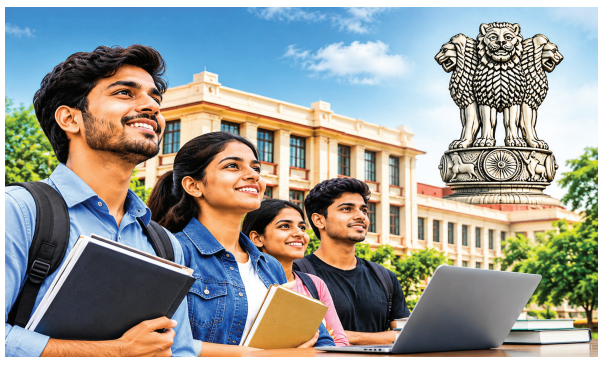

पटना। बिहार में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए शिक्षा विभाग में नियुक्ति का अवसर आया है। बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) ने सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी (AEDO) के 935 रिक्त पदों पर बहाली के लिए नया विज्ञापन जारी किया है। विज्ञापन संख्या 16/2026 के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया एक दिसंबर 2026 से शुरू होगी। आयोग के अनुसार, इच्छुक अभ्यर्थी 31 दिसंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। वहीं, आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख 30 दिसंबर निर्धारित की गई है। अभ्यर्थियों को आवेदन से पहले आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन और दिशा-निर्देशों को पढ़ने की सलाह दी गई है। इस भर्ती में महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि आयोग ने पूर्व में 22 अगस्त 2025 को जारी विज्ञापन संख्या 87/2025 को रद्द कर दिया है। अब नियुक्ति की प्रक्रिया नए विज्ञापन के आधार पर पूरी की जाएगी। ऐसे में पहले आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को भी नई अधिसूचना की शर्तों के अनुसार प्रक्रिया पूरी करनी होगी। आयोग की वेबसाइट 222.bpsc.bihar.gov.in पर भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण, आवेदन शुल्क और चयन प्रक्रिया की जानकारी शामिल होगी।

935 पदों पर होने वाली इस बहाली को शिक्षा विभाग में अधिकारी बनने की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है।

बिहार में 2030 तक रोजाना एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य

48 लाख लीटर से एक करोड़ लीटर तक पहुंचेगा उत्पादन, सुधा के जरिए देशभर में बिकेंगे मखाना खीर और रबड़ी

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। बिहार को दूध उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक प्रतिदिन एक करोड़ लीटर दूध उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया है। फिलहाल राज्य में रोजाना करीब 48 लाख लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। राष्ट्रीय दुग्ध दिवस-2026 पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह लक्ष्य सामने रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध उत्पादन ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की समृद्धि और महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का महत्वपूर्ण आधार है। इसके लिए मुख्यमंत्री गौधन योजना के माध्यम से बेहतर नस्ल की गाय और भैंस खरीदने में सहायता दी जा रही है। साथ ही पशुपालन और दूध संग्रहण व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। अब बिहार के पारंपरिक डेयरी उत्पादों को भी राष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने की तैयारी है। सुधा के माध्यम से मखाना खीर और रबड़ी जैसे उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा दिया जाएगा। कॉम्फेड ने असम में एक लाख लीटर क्षमता की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की है। पश्चिम बंगाल में भी इतनी ही क्षमता की यूनिट शुरू करने की योजना है। बकरी के दूध के संग्रहण और विपणन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिदिन एक लाख लीटर का लक्ष्य रखा गया है। महिलाओं को पशुपालन से जोड़ने के लिए पशु सखियां तैयार की जाएंगी। इसके अलावा प्रत्येक प्रखंड में पशु औषधि केंद्र खोलने की योजना है। सरकार गोबर से जैविक खाद और कंप्रेस्ड बायोगैस उत्पादन को भी बढ़ावा देना चाहती है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह ने राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार-2026 के विजेताओं को सम्मानित किया।



नहरों की बदलेगी सूरत, सिंचाई क्षमता बढ़ाने के लिए नई नीति को मंजूरी

बिहार में नहरों के रखरखाव पर सरकार का जोर, किसानों को मिलेगा पटवन का बेहतर लाभ



आइडियासिटी संवाददाता

पटना । बिहार में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को खेतों तक पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने नई पहल की है। मंत्रिपरिषद ने बिहार नहर अनुरक्षण नीति-2026 को मंजूरी दे दी है। इसके तहत नहर प्रणालियों के रखरखाव को व्यवस्थित कर पहले से सृजित सिंचाई क्षमता का अधिकतम इस्तेमाल करने पर जोर रहेगा।

जल संसाधन विभाग के अनुसार, 31 मार्च 2025 तक राज्य में वृहद एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं के तहत 38.13 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता का सृजन किया जा चुका है। हालांकि, इसके मुकाबले महज 28.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में ही सिंचाई उपलब्धि हासिल हो रही है। यानी उपलब्ध क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है। अब तक व्यापक अनुरक्षण नीति नहीं होने के कारण नहरों की नियमित देखरेख और मरम्मत में चुनौतियां सामने आती रही हैं। इससे समय के साथ सिंचाई क्षमता प्रभावित हो रही थी। नई नीति के माध्यम से नहरों के रखरखाव की प्रक्रिया को व्यवस्थित और प्रभावी बनाने की तैयारी है। सरकार को उम्मीद है कि इससे नहरों की कार्यक्षमता में सुधार होगा और किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिल सकेगा। बेहतर पटवन व्यवस्था से कृषि उत्पादन बढ़ाने, उन्नत खेती को प्रोत्साहित करने और किसानों की आय में वृद्धि का रास्ता भी मजबूत होगा।

अनंत सिंह की बेटी की शादी में वर्दी पहनकर खाना परोसते मिले जवान, ट्रैफिक ड्यूटी से हटाए गए

बाढ़ में आयोजित शादी समारोह का वायरल वीडियो बना कार्रवाई की वजह, बिहार गृह रक्षा वाहिनी के जवान पर गिरी गाज

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। सरकारी वर्दी में ड्यूटी छोड़ निजी समारोह में खाना परोसना बिहार गृह रक्षा वाहिनी के एक जवान को महंगा पड़ गया। मामला मोकामा विधायक अनंत सिंह की बेटी की शादी का है, जिसका आयोजन बाढ़ में हुआ था। शादी समारोह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पटना यातायात पुलिस ने इसकी जांच कराई। वीडियो में बिहार गृह रक्षा वाहिनी के जवान सतीश कुमार वर्दी पहने मेहमानों को खाना परोसते नजर आए। पटना यातायात पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वीडियो के सत्यापन में जवान की पहचान सतीश कुमार (क्ला.व.-103755) के रूप में हुई। उनकी निर्धारित ड्यूटी सभा स्थल से सटे मार्ग पर यातायात व्यवस्था संभालने की थी। लेकिन वह निर्धारित जिम्मेदारी के बजाय निजी समारोह में खाना परोसते पाए गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए जवान को तत्काल प्रभाव से जिला मुख्यालय, पटना में क्लोज कर दिया गया है। अगले आदेश तक उन्हें यातायात ड्यूटी से भी वंचित रखा गया है। साथ ही उनसे कारण पूछा गया है। जांच पूरी होने के बाद आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। पटना यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि यातायात व्यवस्था के सुचारु संचालन के लिए ड्यूटी में अनुशासन और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है।

बीबोस में फर्जी प्रमाणपत्रों का खेल उजागर, जांच के बाद थाने में प्राथमिकी

शिक्षार्थियों के सर्टिफिकेट निकले फर्जी, एनआईओएस और बीबोस के कुछ कर्मियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार मुक्त विद्यालयी शिक्षण एवं परीक्षा बोर्ड (बीबोस) में प्रमाणपत्रों के सत्यापन के दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितता सामने आई है। आंतरिक जांच में कई शिक्षार्थियों के प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए हैं। इतना ही नहीं, प्रमाणपत्रों के सत्यापन से जुड़े कुछ पत्र भी फर्जी मिले हैं। मामले में शिक्षार्थियों के साथ बीबोस और राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) के कुछ कर्मियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। मामले को गंभीरता से लेते हुए गुरुवार को बीबोस के परीक्षा एवं मूल्यांकन विभाग के वरीय कार्यपालक पदाधिकारी ने जक्कनपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। इसमें फर्जीवाड़े में शामिल लोगों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है।

जानकारी के अनुसार, करीब एक महीने पहले बीबोस का कार्यभार संभालने वाले मुख्य कार्यकारी अधिकारी सज्जन आर. ने गड़बड़ी पकड़ी थी। इसके बाद मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की गई। समिति की रिपोर्ट में प्रमाणपत्र बनाने और उनके सत्यापन की प्रक्रिया में अनियमितताओं की बात सामने आई। एनआईओएस के क्षेत्रीय कार्यालय ने कई शिक्षार्थियों के प्रमाणपत्र सत्यापन के लिए बीबोस को भेजे थे। जांच में इनमें से अधिकांश प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। वहीं, एनआईओएस को भेजे गए बीबोस के कुछ सत्यापन पत्र भी फर्जी मिले। बीबोस के सीईओ सज्जन आर. ने बताया कि भविष्य में प्रमाणपत्रों का सत्यापन डिजिलॉकर के माध्यम से कराया जाएगा। बोर्ड के गोपनीय दस्तावेज पासवर्ड सुरक्षा के साथ एसडीसी सर्वर में रखे जाएंगे। इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) भी जारी की जाएगी।

गोपालगंज के 300 साल पुराने नागेश्वर नाथ मंदिर का होगा कायाकल्प, खर्च होंगे 2 करोड़



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। गोपालगंज में नारायणी नदी के तट पर स्थित करीब 300 वर्ष पुराने पौराणिक नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर का संरक्षण और संवर्धन किया जाएगा। इसके विकास पर करीब दो करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। बुधवार को कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मंदिर के संरक्षण की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में स्थानीय विधायक सह शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंदिर के ऐतिहासिक, धार्मिक और पुरातात्विक महत्व को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित विकास कार्यों का प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि बिहार की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर हमारी पहचान हैं। नागेश्वर नाथ मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि ऐतिहासिक विरासत भी है। इसका संरक्षण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कराया जाएगा। गौरतलब है कि 23 नवंबर को मंत्री ने मंदिर का भ्रमण कर स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत की थी। बैठक में विभागीय सचिव प्रणव कुमार और पुरातात्विक निदेशालय के निदेशक कृष्ण कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड के बल्लेबाजों का धमाका, मयंक का नाबाद शतक : बिहार के सामने 373 रनों की चुनौती



आइडियासिटी संवाददाता

पटना। कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 के एलीट मुकाबले में उत्तराखंड ने पहले दिन ही बिहार पर दबाव बना दिया। जिम कॉर्बेट स्थित कौशिकी क्रिकेट ग्राउंड पर उत्तराखंड ने पहली पारी में 84 ओवर के खेल में छह विकेट पर 373 रन बना लिए। मयंक के नाबाद शतक और शोभित-श्रीजन की शानदार पारियों ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

उत्तराखंड की ओर से मयंक ने 120 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए। शोभित ने 83 और श्रीजन ने 87 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि लक्ष्य ने 47 रन जोड़कर टीम का स्कोर बढ़ाने में अहम योगदान दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक अभिमन्यु 46 रन बनाकर मयंक के साथ क्रीज पर डटे थे।

बिहार की ओर से अनिमेष राज ने तीन विकेट झटके। आर्यन, आदित्य और मोहित को एक-एक सफलता मिली। हालांकि, उत्तराखंड के बल्लेबाजों की आक्रामकता के सामने बिहार का गेंदबाजी आक्रमण प्रभावी नहीं दिखा।

अब दूसरे दिन बिहार के गेंदबाजों को उत्तराखंड की पारी जल्द समेटने की चुनौती होगी। इसके बाद बल्लेबाजों पर बड़े स्कोर का जवाब देने की जिम्मेदारी रहेगी। फिलहाल मुकाबले के पहले दिन उत्तराखंड का पलड़ा भारी रहा।

धान बेचने के लिए अब एग्री स्टैक आईडी की बाध्यता खत्म, 36 जिलों के किसानों को राहत

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। धान अधिप्राप्ति को लेकर बिहार सरकार ने किसानों को बड़ी राहत दी है। बेगूसराय और शिवहर को छोड़कर राज्य के शेष जिलों में रैयत किसानों को धान बेचने के लिए अब एग्री स्टैक आईडी अनिवार्य नहीं होगी। किसान पहले की तरह कृषि विभाग के DBT निबंधन संख्या के आधार पर सरकारी केंद्रों पर धान बेच सकेंगे। सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव ने 26 नवंबर को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि एग्री स्टैक पोर्टल पर भूमि संबंधी विवरण अपूर्ण रहने से किसानों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है,

ताकि तकनीकी दिक्कतों के कारण कोई किसान अपनी उपज बेचने से वंचित न रहे। हालांकि, बेगूसराय और शिवहर में पायलट आधार पर एग्री स्टैक आईडी की अनिवार्यता जारी रहेगी। शेष जिलों के किसान चाहें तो एग्री स्टैक आईडी का इस्तेमाल कर सकते हैं। सहकारिता विभाग के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह व्यवस्था खरीफ विपणन मौसम 2026-27 की धान खरीद के लिए लागू होगी।

पंजाब ने बिहार को 41 गेंद शेष रहते रौंदा, अल्तमिश का अर्धशतक भी नहीं आया काम

आइडियासिटी संवाददाता



पटना। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलिट ग्रुप बी के आखिरी लीग मुकाबले में बिहार को पंजाब के हाथों चार विकेट से हार का सामना करना पड़ा। डेली कॉलेज ग्राउंड पर बिहार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 151 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने महज 13.1 ओवर में छह विकेट खोकर 152 रन बना लिए। इस तरह 41 गेंद शेष रहते बिहार की चुनौती समाप्त हो गई। बिहार की शुरुआत बेहद खराब रही। शुरुआती विकेट गिरने के बाद पियूष सिंह ने 31 रनों का योगदान दिया, जबकि अल्तमिश अशरफ ने 30 गेंदों पर चार चौके और चार छक्कों की मदद से 51 रन ठोके। लेकिन बाकी बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। पंजाब की ओर से उदय सहारण ने महज 35 गेंदों पर 60 रन बनाकर बिहार के गेंदबाजों की मुश्किलें बढ़ा दीं। अनमोलप्रीत सिंह को दूसरी गेंद पर आउट कर बिहार ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन इसके बाद गेंदबाज पंजाब की रन गति पर अंकुश नहीं लगा सके। बिहार की ओर से वासुदेव प्रसाद सिंह ने दो विकेट लिए। अल्तमिश की अर्धशतकीय पारी के बावजूद बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सामूहिक प्रदर्शन की कमी बिहार की हार की बड़ी वजह बनी।

किसानों को 15 मिनट में मिल सकेगा KCC लोन! 1 दिसंबर से दो जिलों में शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। बिहार में किसानों को बैंक ऋण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया अब आसान और तेज होने जा रही है। जनसमर्थ पोर्टल और राज्य सरकार के सहयोग कार्यक्रम को जोड़कर एक दिसंबर से खगड़िया और भोजपुर में पायलट प्रोजेक्ट शुरू होगा। इसके तहत किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) सहित संस्थागत कृषि ऋण के लिए आवेदन और बैंकिंग सहायता एक ही जगह उपलब्ध कराई जाएगी।

विकास आयुक्त मिहिर कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में इसकी कार्ययोजना तय की गई। बिहार के 54.71 लाख पंजीकृत किसानों में करीब 16 लाख प्रारंभिक रूप से ऋण के पात्र चिह्नित किए गए हैं। कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म से बार-बार दस्तावेज जमा करने की परेशानी कम होगी। जनसमर्थ और एग्रीस्टैक के डिजिटल सत्यापन से आवेदन प्रक्रिया पेपरलेस और पारदर्शी बनेगी। व्यवस्था में KCC ऋण वितरण को लगभग 15 मिनट तक सीमित करने का लक्ष्य है। पायलट के दौरान दोनों जिलों में विशेष कृषि ऋण शिविर लगेंगे। KCC के तहत पात्र किसानों को दो लाख रुपये तक बिना जमानत ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया है। जनसमर्थ से 12 सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक जुड़ चुके हैं।

204 रनों की बढ़त लेकर सौराष्ट्र मजबूत, दूसरी पारी में भी बिहार के चार विकेट

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। विजय मर्चेंट ट्रॉफी एलिट अंडर-16 मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहली पारी में महज 119 रनों पर सिमटने के बाद सौराष्ट्र ने 323 रन बनाकर 204 रनों की विशाल बढ़त हासिल कर ली। दूसरी पारी में भी बिहार की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम ने 74 रन पर चार विकेट गंवा दिए। रिलायंस क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में सौराष्ट्र की पहली पारी 108.1 ओवर में 323 रनों पर समाप्त हुई। इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी बिहार की टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं सकी। 37 ओवर के खेल में चार बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। बिहार अभी सौराष्ट्र के पहली पारी के स्कोर से 130 रन पीछे है और उसके छह विकेट शेष हैं। पहली पारी



की नाकामी के बाद दूसरी पारी में भी विकेट गंवाने से टीम पर दबाव बढ़ गया है। अब तीसरे दिन बिहार के युवा बल्लेबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकेट बचाकर लंबी साझेदारी करने की होगी। टीम को पहले सौराष्ट्र की बढ़त खत्म करनी होगी, तभी मुकाबले में वापसी की उम्मीद बन सकेगी।

संविधान की पाठशाला में गिरिराज सिंह की सीख, बच्चों को अधिकार के साथ कर्तव्य भी बताएं

प्रेक्षा गृह में आयोजित समारोह में निबंध, पोस्टर, स्लोगन और रंगोली के विजेता सम्मानित

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। संविधान लोकतंत्र की नींव होने के साथ नागरिकों के अधिकार और कर्तव्यों का मार्गदर्शक भी है। इसी संदेश के साथ गुरुवार को प्रेक्षा गृह, कंकौल में जिला प्रशासन एवं जिला शिक्षा कार्यालय की ओर से संविधान दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें केंद्रीय वस्त्र मंत्री-सह-सांसद गिरिराज सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की



उद्देशिका के सामूहिक पाठ, राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान से हुई। आम्रपाली प्रशिक्षण केंद्र के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। डीएम रिची पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय, समानता और सामाजिक समरसता के मूल्यों को जीवन में अपनाना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री ने विद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएं कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों की जानकारी भी देनी चाहिए। उन्होंने शिक्षा को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित निबंध, पोस्टर, स्लोगन और रंगोली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

नशे की गिरफ्त में युवा तो विकसित भारत का सपना अधूरा : अर्चना कुमारी

कोशी कॉलेज में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित, करीब 250 युवक-युवतियों ने लिया हिस्सा

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। युवाओं को नशे से दूर रखे बिना विकसित भारत की कल्पना संभव नहीं है। यह बातें नगर सभापति अर्चना कुमारी ने गुरुवार को कोशी कॉलेज में आयोजित युवा संवाद एवं संविधान दिवस कार्यक्रम में कहीं। मेरा युवा भारत, खगड़िया के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में करीब 250 युवक-युवतियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर सभापति अर्चना कुमारी, जिला युवा अधिकारी मयंक और कॉलेज के शिक्षकों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अर्चना कुमारी ने कहा कि नशे की लत युवाओं को चोरी और गंभीर अपराधों की ओर धकेल सकती है। इसलिए नशामुक्त समाज के निर्माण में सभी की भागीदारी जरूरी है। डॉ. कुमार बलवंत ने संविधान दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संविधान नागरिकों को न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता का संदेश देता है। उन्होंने युवाओं से संवैधानिक मूल्यों और कर्तव्यों को समझने की अपील की। डॉ. प्रभात कुमार ने नशे की शुरुआत रोकने के लिए सामूहिक प्रयास पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन इंद्रदेव कुमार ने किया। अंत में ललितेश्वर कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

केले के पत्ते से प्लेट, रेशे से फाइबर... खेती को उद्योग से जोड़ने की तैयारी

स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट और मखाना उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा, जलकुंभी से भी उपयोगी उत्पाद बनाने पर चर्चा

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। किसानों की आमदनी बढ़ाने और कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए जिले में नई संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। जिलाधिकारी विक्रम विरकर की अध्यक्षता में आयोजित जिला कृषि टास्क फोर्स की बैठक में केले से फाइबर, तरल उर्वरक और पत्तों से प्लेट बनाने जैसे नवाचारों पर चर्चा हुई। बैठक में स्ट्रॉबेरी, ड्रैगन फ्रूट, मखाना और केला उत्पादन के साथ इनके प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। डीएम ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक की जानकारी देने के लिए



प्रतिष्ठित रिसर्च सेंटरों में प्रशिक्षण और परिभ्रमण कराने का निर्देश दिया। केले के रेशे से फाइबर, सैप से तरल उर्वरक और कम्पोस्ट तथा पत्तों से उपयोगी उत्पाद तैयार करने की संभावनाएं तलाशी गईं। एग्री टूरिज्म को भी प्रोत्साहित करने पर विचार हुआ। बैठक में जल क्षेत्रों में फैली जलकुंभी से उपयोगी उत्पाद बनाने पर भी चर्चा की गई।

इससे जल स्रोतों की सफाई के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। मौके पर डीडीसी श्रेया श्री, जिला कृषि पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

लोकतंत्र के सवालों पर विद्यार्थियों ने आजमाया दिमाग, 20 ने जिला स्तर पर बनाई जगह

आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए जागरूक मतदाता जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से गुरुवार को अटल कलाम भवन, तेघड़ा में विधानसभा स्तरीय इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) प्रतियोगिता-2026 आयोजित की गई। इसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले 20 छात्र-छात्राओं का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता एसडीओ नीरज सिन्हा ने की। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी कल के मतदाता हैं। इसलिए उन्हें निर्वाचन प्रक्रिया, मतदाता सूची और मतदान के महत्व की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से परिवार और आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करने की अपील की। 143-तेघड़ा विधानसभा क्षेत्र के



22 विद्यालयों में गठित ईएलसी के माध्यम से पहले विद्यालय स्तर पर प्रतियोगिताएं कराई गई थीं। विधानसभा स्तरीय मुकाबले में निबंध के जरिए मतदाता सूची की शुद्धता और मतदान के महत्व पर विचार रखे गए। क्विज में ईवीएम, वीवीपैट, मतदाता सूची और मतगणना से जुड़े सवाल पूछे गए। दोनों विधाओं से शीर्ष 10-10 विद्यार्थियों का चयन किया गया। एसडीओ ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

रोजगार मेले में 1250 युवाओं ने दिया बायोडाटा, 362 को पहले चरण में मिली नौकरी की राह

24 कंपनियों ने लगाए स्टॉल, 208 अभ्यर्थियों को रोजगार और कौशल विकास योजनाओं की मिली जानकारी



आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय । नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए गुरुवार को अयोध्या प्रसाद सिंह मेमोरियल कॉलेज परिसर में जिला स्तरीय रोजगार-सह-व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित किया गया। इसमें 24 नियोजक कंपनियों और संस्थानों ने भाग लिया। मेले में 1,250 अभ्यर्थियों के बायोडाटा प्राप्त हुए, जिनमें से 362 का प्रथम चरण में चयन किया गया। मेले का उद्घाटन केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, विधायक रजनीश कुमार, डीएम रिची पाण्डेय और जिला नियोजन पदाधिकारी अंकिता ने संयुक्त रूप से किया। केंद्रीय मंत्री ने युवाओं से तकनीकी और व्यावसायिक कौशल विकसित कर रोजगार के अवसरों का लाभ उठाने की अपील की। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के बीच 24 स्टडी किट वितरित की गईं।

डीआरसीसी, आरसेटी, उद्योग विभाग, अप्रेंटिसशिप और जन शिक्षण संस्थान ने भी योजनाओं की जानकारी दी। इनके माध्यम से 208 अभ्यर्थियों को रोजगार, स्वरोजगार और कौशल विकास के अवसरों पर मार्गदर्शन मिला।

अखाड़े में पुरुषों के साथ महिला पहलवानों की भी हुंकार, दूसरे दिन खूब चले दांव-पेच

1938 से जारी परंपरा के 138वें महादंगल में कई राज्यों के पहलवानों ने दिखाया दमखम

आइडियासिटी संवाददाता

खगड़िया। सन्हौली स्थित श्री केशरी नंदन व्यायामशाला के ऐतिहासिक अखाड़े में गोपाष्टमी पर आयोजित 138वें महादंगल के दूसरे दिन गुरुवार को रोमांचक कुश्ती मुकाबले हुए। खगड़िया के अलावा आगरा, पटना, भागलपुर, नवगछिया, छपरा और सिवान के पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाए। कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व विधायक रणवीर यादव, जिला परिषद अध्यक्ष कृष्णा यादव सहित अन्य अतिथियों ने



किया। रोशन पहलवान खगड़िया और राहुल पहलवान आगरा का मुकाबला बराबरी पर छूटा। जावेद और वीरेंद्र यादव की कुश्ती भी बराबरी पर रही। जहांगीर पहलवान संबलपुर को छोटू पहलवान पटना ने हराया। राजा पहलवान रोहियार ने सनी पहलवान आगरा को शिकस्त दी।

महिला मुकाबलों में सावन पहलवान नवगछिया ने अंजलि पहलवान सिवान को, जबकि चांदनी पहलवान भागलपुर ने संध्या पहलवान छपरा को पराजित किया। सन्हौली का अखाड़ा 1938 से गोपाष्टमी दंगल की परंपरा निभा रहा है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय पहलवान नरसिंह पंचम यादव और कुश्ती प्रशिक्षक भूपेश कुमार की मौजूदगी ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई। दंगल में महिला पहलवानों की भागीदारी भी आकर्षण का केंद्र रही।

मिठाई-दुकानों और रेस्टोरेंट पर खाद्य विभाग की छापेमारी, 10 लीटर जला तेल और 25 बासी समोसे नष्ट

आइडियासिटी संवाददाता

पटना। त्योहार और शादी-ब्याह के मौसम में मिठाइयों और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर खाद्य संरक्षा विभाग ने सख्ती बढ़ा दी है। गुरुवार को पटना और भोजपुर के 10 खाद्य प्रतिष्ठानों में जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान उपभोग के लिए अनुपयुक्त खाद्य सामग्री मौके पर नष्ट कराई गई, जबकि कई दुकानों में साफ-सफाई और भंडारण की गंभीर कमियां मिलीं। पटना के किदवईपुरी स्थित सीताराम स्वीट्स एंड नमकीन में 10 लीटर जला हुआ तेल और 25 बासी समोसे नष्ट कराए गए। मिठाइयों पर निर्माण तिथि और बेस्ट बिफोर की जानकारी भी अंकित नहीं थी। प्रतिष्ठान की रसोई तीन दिनों तक बंद रखकर सफाई और व्यवस्था सुधारने का निर्देश दिया गया। अन्नपूर्णा कैटरर और रिद्धिवीज रेस्टोरेंट में भी स्वच्छता संबंधी कमियां मिलीं।

भोजपुर के आरा में एक दुकान से साढ़े तीन किलो पनीर और कोईलवर में 60 लीटर छेना पानी नष्ट कराया गया। भोजपुर में खोआ, पनीर और पेड़े के कुल सात नमूने जांच के लिए लिए गए। कई प्रतिष्ठानों में खाद्य लाइसेंस और स्वास्थ्य प्रमाणपत्र भी नहीं मिले। दुकानदारों को कमियां दूर करने के लिए 14 दिनों का समय दिया गया।

जिस स्कूल ने देश को IAS-IPS दिए, आज उसी के बच्चे बदहाली में गढ़ रहे भविष्य

1939 में बनी थी ओमर प्लस टू विद्यालय की पहचान, यहीं से पढ़कर निकले बिहार सरकार के उच्च शिक्षा अपर सचिव राजीव रोशन और पूर्व आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह

1,499 विद्यार्थियों पर महज 15 शिक्षक, कहीं स्मार्ट क्लास बंद तो कहीं शौचालय और पेयजल का संकट







आइडियासिटी संवाददाता

बेगूसराय। किसी पुराने विद्यालय के परिसर में कदम रखते ही कभी वहां की उपलब्धियों, अनुशासन और सुनहरे दिनों की कहानियां याद आती हैं। लेकिन जब उन्हीं दीवारों के बीच वर्तमान की बदहाली नजर आए, तो मन में एक सवाल जरूर उठता है—क्या यही वह विद्यालय है, जिसने कभी देश और राज्य को बड़े-बड़े प्रशासनिक अधिकारी दिए थे? वर्ष 1939 में स्थापित ओमर प्लस टू विद्यालय की पहचान कभी इलाके में शिक्षा, अनुशासन, खेलकूद और प्रतिभाओं की पौधशाला के रूप में थी। यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने आगे चलकर आईएएस, आईपीएस और प्रशासनिक सेवाओं में अपनी जगह बनाई। लेकिन आज इसी ऐतिहासिक संस्थान में पढ़ रहे बच्चों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। इस विद्यालय की गौरवगाथा में बरौनी गांव निवासी सेवानिवृत्त आईजी लक्ष्मण प्रसाद सिंह का नाम खास है। उन्होंने 1970 में यहीं से मैट्रिक पास किया। आगे चलकर 1981 में बीपीएससी परीक्षा में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर राज्य में प्रथम स्थान हासिल किया। पटना सिटी में एसडीपीओ के रूप में पहली पदस्थापना हुई। झारखंड के सरायकेला में एसपी के रूप में लगातार पांच वर्षों तक सेवा दी और 2014 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली। बिहार सरकार के वर्तमान उच्च शिक्षा अपर सचिव राजीव रोशन भी इसी विद्यालय के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने 1995 में यहां से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। जिस विद्यालय ने ऐसे अधिकारियों को तैयार किया, उसी विद्यालय से जुड़े पूर्व छात्र के उच्च शिक्षा विभाग में महत्वपूर्ण पद पर पहुंचने के बावजूद संस्थान की तस्वीर बदलने का इंतजार खत्म नहीं हुआ है।

1,499 विद्यार्थियों की जिम्मेदारी महज 15 शिक्षकों पर

विद्यालय में नौवीं और दसवीं कक्षा में 962 विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें नौवीं के 510 और दसवीं के 452 विद्यार्थी हैं। वहीं इंटरमीडिएट में 537 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। 11वीं में 269 और 12वीं में 268 विद्यार्थी हैं। कुल 1,499 विद्यार्थियों की पढ़ाई के लिए नौवीं-दसवीं में महज 11 और इंटरमीडिएट में सिर्फ चार शिक्षक कार्यरत हैं। गणित, भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों की कमी है। ऐसे में विद्यार्थियों की पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

कंप्यूटर हैं, स्मार्ट क्लास है, प्रयोगशाला भी है, लेकिन पढ़ाने वाले नहीं!

विद्यालय में कंप्यूटर उपलब्ध हैं, मगर कंप्यूटर शिक्षक नहीं हैं। स्मार्ट क्लास और प्रयोगशालाएं भी हैं, लेकिन उनके नियमित संचालन की व्यवस्था नहीं है। कुल 15 वर्ग कक्ष हैं और शिक्षकों के बैठने के लिए अलग प्रकोष्ठ तक नहीं है। शिक्षकों को लाइब्रेरी में बैठकर काम करना पड़ता है।

शौचालय में गंदगी, पेयजल के नल जर्जर

पेयजल के लिए दो चापाकल और दो समरसेबल हैं, लेकिन नलों की स्थिति जर्जर है। शौचालयों की बदहाली और गंदगी से विद्यार्थियों को परेशानी होती है। परिसर के कई हिस्सों में जंगल-झाड़ उग आए हैं। शौचालय और यूरिनल के आसपास भी बड़ी-बड़ी झाड़ियां दिखाई देती हैं। कई कमरों की खिड़कियां टूटी हैं और पंखों के ब्लेड क्षतिग्रस्त हैं। जबकि विद्यालय में परिचारी भी नियुक्त हैं।

अब सवाल व्यवस्था से है, क्योंकि दांव पर 1,499 बच्चों का भविष्य है।

जिस विद्यालय की मिट्टी ने कभी लक्ष्मण प्रसाद सिंह और राजीव रोशन जैसे प्रतिभाशाली अधिकारी दिए, वहां आज के विद्यार्थी शिक्षकों, साफ-सफाई और जरूरी सुविधाओं के इंतजार में हैं। जरूरत है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन स्वयं विद्यालय का निरीक्षण करें। शिक्षकों की कमी दूर हो, कंप्यूटर और स्मार्ट क्लास चालू हों, प्रयोगशालाएं सक्रिय हों तथा शौचालय, पेयजल और भवनों की मरम्मत कराई जाए।

क्योंकि किसी विद्यालय का गौरव सिर्फ उसके अतीत में निकले अधिकारियों से नहीं, बल्कि आज वहां पढ़ रहे बच्चों के भविष्य से भी तय होता है। ओमर विद्यालय को अपनी पुरानी पहचान पर गर्व करने के साथ एक बार फिर ऐसी प्रतिभाओं की पौधशाला बनने का अवसर मिलना चाहिए।





दवा कारोबार पर स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन, पटना में गोदाम सील : पांच जिलों में छापेमारी

29 दवाओं के नमूने जांच के लिए भेजे गए, 1.41 लाख रुपये से अधिक की एक्सपायरी और संदिग्ध औषधियां जब्त

आइडियासिटी संवाददाता

पटना : एक्सपायरी दवाएं, गलत लेबल और बिना वैध लाइसेंस के दवा कारोबार... मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाले दवा प्रतिष्ठानों पर स्वास्थ्य विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। 25 और 26 नवंबर को पटना, भागलपुर, मधुबनी, गयाजी और समस्तीपुर में औषधि नियंत्रण विभाग ने सघन निरीक्षण एवं छापेमारी की। इस दौरान 29 औषधियों के नमूने जांच के लिए लिए गए, जबकि कई दवाओं की बिक्री और वितरण पर रोक लगा दी गई। पटना के गोविंद मित्रा रोड स्थित सात दवा प्रतिष्ठानों की जांच में अनियमितताएं मिलीं। केसर वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूटर

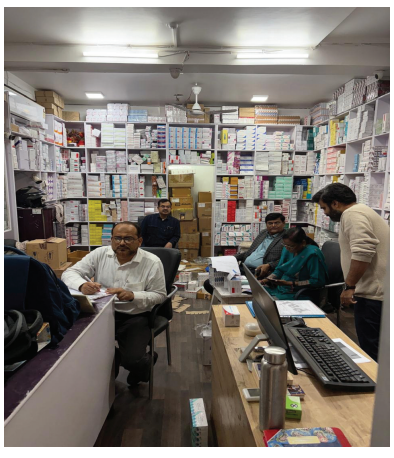

का एक गोदाम अनुज्ञप्ति प्रस्तुत नहीं करने पर सील कर दिया गया। यहां एक्सपायरी दवाओं की 11 स्ट्रिप जब्त की गईं। मां भवानी ड्रग हाउस से 315 स्ट्रिप और आशीर्वाद इंटरप्राइजेज से 120 एक्सपायरी इंजेक्शन जब्त किए गए। अन्य प्रतिष्ठानों में भी खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड और भंडारण में गड़बड़ियां मिलीं। मधुबनी के बिना लाइसेंस संचालित भूषण मेडिकल हॉल से 1.04 लाख रुपये से अधिक की 40 प्रकार की दवाएं जब्त की गईं। भागलपुर के नाथनगर में बिना अनुज्ञप्ति मेडिकल हॉल के खिलाफ कार्रवाई जारी है। गयाजी और समस्तीपुर में भी अनियमितताएं मिलीं। पांचों जिलों में विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है।

ननिहाल में खेल रहा पांच साल का मासूम पानी भरे गड्ढे में डूबा, मौत से मचा कोहराम

आइडियासिटी संवाददाता

कतरीसराय। थाना क्षेत्र के बादी मुशहरी टोला में गुरुवार को पानी भरे गड्ढे में डूबने से पांच वर्षीय मासूम की मौत हो गई। मृतक की पहचान नूरसराय थाना क्षेत्र के निरपुर गांव निवासी सुजय मांझी के पुत्र विक्रम कुमार के रूप में हुई है। वह अपने ननिहाल आया हुआ था। हादसे के बाद दोनों गांवों में मातम पसर गया। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि ईंट-भट्ठे में मिट्टी की कटाई के कारण बड़ा गड्ढा बन गया था, जिसमें बारिश का पानी जमा था। गुरुवार को विक्रम घर के समीप खेल रहा था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह पानी से भरे गड्ढे में जा गिरा। डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मासूम को खोने के गम में परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। ननिहाल बादी मुशहरी टोला और पैतृक गांव निरपुर में शोक की लहर दौड़ गई। एक छोटी सी लापरवाही और खुले गड्ढे ने परिवार की खुशियां छीन लीं।

सरमेरा में अज्ञात महिला का शव

आइडियासिटी संवाददाता

सरमेरा : थाना क्षेत्र के बड़ी मलावां गांव के पास से गुरुवार को महिला का शव बरामद किया गया है। मृतका की पहचान नहीं हो पायी है। थानाध्यक्ष साकेन्द्र कुमार ने बताया कि ग्रामीणों ने शव देखने की सूचना दी थी। गांव के पूरब दिशा में पईन से लाश बरामद की गयी। पोस्टमार्टम के बाद शव को पहचान के लिए सदर अस्पताल में रखा गया है।

पराली जलाने पर 80% तक अनुदान, जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा

राजगीर महोत्सव के कृषि मेले में किसानों को दी गई आधुनिक कृषि यंत्रों और सरकारी योजनाओं की जानकारी

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। राजगीर महोत्सव-2026 के तहत गुरुवार को कृषि मेले का भव्य उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार एवं विधान पार्षद रीना राय ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। मेले में किसानों को प्राकृतिक एवं जैविक खेती अपनाने के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों के इस्तेमाल के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। उन्होंने किसानों से पराली नहीं जलाने की अपील करते हुए कहा कि इससे मिट्टी के उपयोगी सूक्ष्म जीव नष्ट होते हैं और प्रदूषण बढ़ता है। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि



फसल अवशेष प्रबंधन से जुड़े कृषि यंत्रों की खरीद पर किसानों को 40 से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है।

वहीं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदानित दर पर बीज और कृषि उपादान भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मेले में आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से कम लागत और कम श्रम में खेती करने की जानकारी दी गई। इस बार कृषि मेले का मुख्य आकर्षण 'मेरा गांव, मेरी पहचान' है। इसके माध्यम से किसानों को एग्रो इको टूरिज्म, प्राकृतिक खेती के फायदे और ग्रामीण संसाधनों को आजीविका से जोड़ने के बारे में जागरूक किया जा रहा है। मेले को किसानों के लिए नई तकनीक, सरकारी योजनाओं और खेती को लाभकारी बनाने की जानकारी हासिल करने का महत्वपूर्ण मंच बनाया गया है।

राजगीर के मेले में सिर्फ दुकानें नहीं सजीं, यहां गांव के सपनों को मिला बाजार

कहीं मिट्टी के चाक पर घूमती विरासत, कहीं ड्रोन से खेती का भविष्य...

जीविका दीदियों के अचार-मुरब्बे से लेकर बच्चों की किताबों तक हर स्टॉल कह रहा विकास की एक नई कहानी



































आइडियासिटी आशीष कुमार

राजगीर। हम पत्रकारों की नजर अक्सर भीड़ में भीड़ से अलग कुछ तलाशती है। राजगीर महोत्सव-2026 के ग्रामश्री मेले में घूमते हुए भी नजरें सिर्फ दुकानों और सजावट पर नहीं ठहरीं। कहीं एक महिला अपने हाथों से बनाए अचार-मुरब्बे के बारे में बता रही थी, तो कहीं किसान ड्रोन और आधुनिक मशीनों को कौतूहल से देख रहा था। एक कोने में कुम्हार के चाक पर मिट्टी आकार ले रही थी, तो दूसरे कोने में बच्चे रंगीन किताबों की दुनिया में खोए थे। लगा, यह मेला नहीं, गांव की मेहनत, उम्मीद और बदलते बिहार की खुली किताब है। 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक चल रहे इस महोत्सव में ग्रामश्री मेला, कृषि मेला, पुस्तक मेला और सरकारी विभागों की प्रदर्शनियां लोगों को आकर्षित कर रही हैं। पहाड़ियों की खूबसूरत वादियों के बीच रंग-बिरंगे झंडों से सजा परिसर खरीदारों और दर्शकों की भीड़ से गुलजार है।

मिट्टी की खुशबू से ड्रोन की उड़ान तक

कृषि विभाग, नालंदा का 'मेरा गांव मेरी पहचान' थीम वाला झोपड़ीनुमा स्टॉल गांव की संस्कृति को जीवंत करता है। वहीं जैविक खेती, वर्मी कम्पोस्ट, पॉली हाउस, कृषि ड्रोन और सेंसर आधारित तकनीक खेती के भविष्य की तस्वीर दिखाते हैं। महिंद्रा के 'धरती मित्र' मल्टीक्रॉप थ्रेशर समेत आधुनिक कृषि यंत्र किसानों को कम लागत में बेहतर उत्पादन की संभावनाओं से परिचित करा रहे हैं।

जीविका दीदियों के हुनर में छिपी आत्मनिर्भरता की कहानी

मेले की असली रौनक स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के स्टॉल पर दिखती है। कालीन, पायदान, गलीचे, पारंपरिक परिधान, अचार, मुरब्बे, नमकीन और घरेलू उत्पादों की खूब मांग है। समेकित कृषि, पेपर बैग निर्माण, दीदी की रसोई, दीदी अधिकार केंद्र और जीविका सुधा बिक्री केंद्र महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता की कहानी कहते हैं। यूपीआई से भुगतान की सुविधा ने खरीदारी भी आसान कर दी है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के स्टॉल भी हस्तशिल्प और परिधानों की विविधता से आकर्षित कर रहे हैं।

किताबों में बच्चों का भविष्य, झांकियों में समाज का आईना

पुस्तक मेले में बच्चों के लिए रंगीन ज्ञानवर्धक किताबें हैं, तो बड़ों के लिए श्रीमद्भगवद्गीता और शिवपुराण जैसे धार्मिक ग्रंथ। शिक्षा विभाग के स्टॉल पर मुख्यमंत्री मेधावृत्ति, छात्रवृत्ति, साइकिल, पोशाक, मध्याह्न भोजन और आवासीय विद्यालयों की जानकारी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दी जा रही है। जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग की झांकी एक तरफ अखबार पढ़ते बुजुर्गों और स्कूल जाते बच्चों वाले खुशहाल परिवार को दिखाती है, तो दूसरी तरफ नशे की वजह से बिखरते घर की तस्वीर सामने रखती है। मद्य निषेध विभाग का 'नशा छोड़ो, परिवार जोड़ो' संदेश और 'नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत' के कटआउट लोगों को जागरूक कर रहे हैं। टोल-फ्री नंबरों से नशामुक्ति संबंधी जानकारी भी दी जा रही है।

सरकारी योजनाओं से रोजगार और डिजिटल सुरक्षा तक

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की प्रदर्शनी में बिहार की विकास योजनाओं और उपलब्धियों की झलक है। ग्रामीण विकास विभाग के स्टॉल पर 'विकसित भारत-जी राम जी', ग्राम पंचायत की योजनाओं और आदर्श आंगनबाड़ी का मॉडल आकर्षण बना है। पंजाब नेशनल बैंक के स्टॉल पर बैंकिंग सुविधाओं, रिटेल लोन और साइबर फ्रॉड से बचाव के तरीके बताए जा रहे हैं। वहीं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से जुड़े स्थानीय उद्यमी अपने उत्पादों के जरिए स्वरोजगार की संभावनाएं दिखा रहे हैं।

सुरक्षा और सुविधाओं का भी रखा गया है ध्यान

भीड़ को देखते हुए मुख्य प्रवेश द्वार पर सुरक्षा बलों की तैनाती और डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से जांच की व्यवस्था है। वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, नो पार्किंग के बोर्ड और परिसर में नियमित फॉगिंग भी कराई जा रही है। मेले से लौटते वक्त पत्रकार के मन में एक तस्वीर ठहर जाती है, एक महिला के चेहरे की मुस्कान, किसान की आंखों में तकनीक से जुड़ी उम्मीद और मिट्टी के चाक पर आकार लेता एक बर्तन। यही राजगीर महोत्सव की असली उपलब्धि है। यहां सिर्फ सामान नहीं बिक रहा, गांव का हुनर बाजार पा रहा है, महिलाओं को पहचान मिल रही है, किसानों को भविष्य की श्वराह दिख रही है और नई पीढ़ी किताबों से जुड़ रही है। गीत-संगीत अपनी जगह है, लेकिन इस मेले की सबसे खूबसूरत धुन है। गांव के आत्मविश्वास, मेहनत और आत्मनिर्भर बनते बिहार की धुन।

बुद्ध, महावीर की धरती पर गूंजा राजगीर महोत्सव का शंखनाद

उद्घाटन मंच से बार-बार याद आए नीतीश कुमार !

उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने किया राजगीर महोत्सव-2026 का भव्य उद्घाटन





आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर। पहाड़ियों की गोद में बसी ऐतिहासिक नगरी राजगीर एक बार फिर अपनी सभ्यता, संस्कृति और गौरवशाली विरासत के रंगों से जगमगा उठी। जहां कभी भगवान बुद्ध और भगवान महावीर के संदेश गूंजे थे, उसी धरती पर गुरुवार, 26 नवंबर को राजगीर महोत्सव-2026 का भव्य आगाज हुआ। उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक उल्लास के बीच एक नाम बार-बार चर्चा में आता रहा—पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। मंच पर मौजूद उपमुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायकों ने राजगीर की बदली पहचान और विकास यात्रा का जिक्र करते हुए उनके योगदान को याद किया। वक्ताओं ने यह भी कहा कि इस बार महोत्सव में उनकी कमी महसूस हो रही है। बिहार के उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव ने विधिवत महोत्सव का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि राजगीर कभी देश के गौरवशाली नगरों में शामिल रहा है। इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान सदियों पुरानी है। मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार ने इस ऐतिहासिक नगरी के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए। डॉ. राममनोहर लोहिया के सपनों को साकार करने, महिलाओं को आरक्षण देकर सशक्त बनाने और समाज के सभी वर्गों के विकास की दिशा में उनके प्रयासों को इतिहास में याद किया जाएगा। उनके कार्यकाल में बिहार में आधारभूत संरचना और सामाजिक विकास को नई गति मिली।

राजगीर की विरासत संवारने से जरासंध अखाड़े तक की चर्चा

ग्रामीण विकास सह सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने राजगीर को भगवान बुद्ध और भगवान महावीर की तपोभूमि बताते हुए कहा कि इसकी ऐतिहासिक और धार्मिक पहचान को संरक्षित करने के लिए कई प्रयास किए गए। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जरासंध अखाड़े के जीर्णोद्धार समेत कई योजनाओं के माध्यम से विरासत को संवारने का काम किया। उन्होंने कहा कि राजगीर महोत्सव स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने और निखारने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने कहा कि राजगीर महोत्सव का नाम आते ही नीतीश कुमार का स्मरण होना स्वाभाविक है। राजगीर को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि इस बार महोत्सव में पूर्व मुख्यमंत्री की कमी खल रही है। विधायक डॉ. सुनील कुमार ने राजगीर के विकास में नीतीश कुमार के कार्यकाल की भूमिका का उल्लेख किया। विधायक डॉ. जितेन्द्र कुमार ने इस धरती को संतों और महात्माओं की पावन भूमि बताते हुए इसकी ऐतिहासिक महत्ता पर प्रकाश डाला। विधान परिषद सदस्य रीना यादव ने महिलाओं को आरक्षण देकर राजनीतिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने तथा सभी वर्गों के विकास के लिए संचालित योजनाओं का जिक्र किया। अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी राजगीर की विकास यात्रा और सांस्कृतिक पहचान पर अपने विचार रखे।

सिर्फ महोत्सव नहीं, बिहार की पहचान को दुनिया तक पहुंचाने का मंच

राजगीर महोत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। यह बिहार की ऐतिहासिक विरासत, आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का अवसर है। इसके माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने, स्थानीय कलाकारों को मंच देने और क्षेत्रीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है। तीन दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन में देश की समृद्ध परंपराओं की झलक और मनमोहक प्रस्तुतियां दर्शकों के आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

दिग्गजों की मौजूदगी में सजा उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम में मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, विधान परिषद सदस्य रीना यादव एवं डॉ. संजीव कुमार, विधायक डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. सुनील कुमार, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, कौशल किशोर और रूहेल रंजन सहित पूर्व विधायक चंद्रसेन प्रसाद मौजूद रहे। राजगीर नगर परिषद की मुख्य पार्षद जीरो देवी, जिलाधिकारी उदिता सिंह, पुलिस अधीक्षक हृदयकांत, उप विकास आयुक्त सारा अशरफ और नगर आयुक्त कृत्यानंद रंजन सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग भी समारोह में शामिल हुए। राजगीर की पहाड़ियों के बीच शुरू हुआ यह महोत्सव एक तरफ बिहार की सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, तो दूसरी तरफ उस विकास यात्रा को याद करने का अवसर भी, जिसने इस ऐतिहासिक नगरी को नई पहचान दिलाई। मंच से उठती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की गूंज के बीच इस बार एक राजनीतिक और विकासात्मक स्मृति भी समारोह के केंद्र में रही—राजगीर के विकास में नीतीश कुमार की भूमिका।

पुलिस केंद्र में ब्रह्माकुमारी ने पुलिसकर्मियों को पढ़ाया नशा मुक्ति का पाठ एवं जीवन जीने की कला

युवाओं में नशे और मोबाइल गेम की बढ़ती लत पर जताई चिंता, सकारात्मक सोच और आत्मसंयम अपनाने का दिया संदेश

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । पुलिस केंद्र नालंदा में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से नशा मुक्ति एवं जीवन जीने की कला पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें संस्था के धर्मेंद्र चौबे और उनकी टीम ने पुलिसकर्मियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। साथ ही तनावमुक्त जीवन जीने, मानसिक शांति बनाए रखने और सकारात्मक सोच विकसित करने के तरीके बताए। कार्यक्रम में युवाओं के बीच बढ़ती नशे की लत और मोबाइल गेम के प्रति बढ़ते आकर्षण पर भी चिंता जताई गई। धर्मेंद्र



चौबे ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपने अनमोल जीवन और भविष्य को बर्बाद कर रहा है। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन को प्रभावित करता है। वहीं, मोबाइल पर लगातार गेम खेलने की आदत भी एक तरह की मानसिक निर्भरता बन सकती है। जब युवा पढ़ाई, काम, परिवार और अपनी दिनचर्या को छोड़कर घंटों मोबाइल गेम में लगे रहते हैं, तो इसका असर उनके मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य पर पड़ता है। युवाओं को इन आदतों से बाहर निकालने के लिए परिवार, समाज और शिक्षण संस्थानों को मिलकर प्रयास करना चाहिए। बच्चों और युवाओं को डांटने या उनसे दूरी बनाने के बजाय उनकी समस्याओं को समझना जरूरी है। उन्हें खेलकूद, योग, ध्यान, रचनात्मक गतिविधियों और सामाजिक कार्यों से जोड़ना चाहिए। मोबाइल के इस्तेमाल का समय निर्धारित करना और जीवन में लक्ष्य तय करना भी जरूरी है।आत्मसंयम, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से व्यक्ति अपनी आदतों में बदलाव ला सकता है। जीवन में वास्तविक खुशी मोबाइल गेम या नशे में नहीं, बल्कि अच्छे संबंधों, स्वस्थ दिनचर्या और संतुष्ट मन में है। मेजर राजमणि ने कहा कि पुलिसकर्मियों का कार्य काफी चुनौतीपूर्ण होता है। ऐसे में मानसिक संतुलन और तनावमुक्त रहना आवश्यक है।

इस तरह के कार्यक्रम पुलिसकर्मियों को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और समाज में नशा मुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित करते हैं। मौके पर सार्जेंट राजू कुमार, रॉबिन कुमार यादव, अमन भारद्वाज, बेबी कुमारी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

राजगीर महोत्सव में जीविका दीदियों का जलवा, हुनर और मेहनत के दम पर दिखा आत्मनिर्भरता का रंग

मंत्री श्रवण कुमार और सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने किया स्टॉल का उद्घाटन, दीदियों के उत्पाद बने आकर्षण का केंद्र

आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर । राजगीर महोत्सव-2026 में इस बार जीविका दीदियों के हुनर, मेहनत और आत्मनिर्भरता की झलक भी देखने को मिल रही है। महोत्सव परिसर में गुरुवार को जीविका के स्टॉल का उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और नालंदा सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। सात दिनों तक चलने वाला यह महोत्सव 26 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होगा।

जीविका की ओर से लगाए गए स्टॉल में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना से लाभान्वित होकर स्वरोजगार की राह पर आगे बढ़ रही महिलाओं की सफलता प्रदर्शित की गई है। यहां जीविका दीदियों द्वारा तैयार हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री और विभिन्न घरेलू उत्पाद लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।



स्टॉल के माध्यम से महिलाओं की आजीविका संवर्धन गतिविधियों और उद्यमिता से जुड़ी जानकारियां भी दी जा रही हैं। उद्घाटन के दौरान मंत्री और सांसद ने जीविका दीदियों से बातचीत कर उनके उत्पादों और रोजगार संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। दोनों अतिथियों ने महिलाओं की मेहनत और उद्यमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि जीविका दीदियां आज परिवार की आर्थिक मजबूती के साथ समाज में भी प्रेरणा का स्रोत बन रही हैं। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खोले हैं। वहीं, सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ महिलाओं तक पहुंचने से उनकी जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। महोत्सव में पहुंच रहे पर्यटक और स्थानीय लोग स्टॉल से उत्पादों की खरीदारी भी कर रहे हैं। इससे महिला उद्यमियों को सीधे आमदनी मिल रही है और उनके उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध हो रहा है।



राजगीर महोत्सव में सजी सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की झलक

मंत्री श्रवण कुमार ने किया विभागीय प्रदर्शनी का उद्घाटन, जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जा रही जानकारी



आइडियासिटी संवाददाता

राजगीर । राजगीर महोत्सव-2026 के आगाज के साथ ही उत्सव स्थल पर सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की झलक भी देखने को मिल रही है। महोत्सव के अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की ओर से लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी का बुधवार को ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री श्रवण कुमार ने फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया। इस मौके पर नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार, बिहार विधान परिषद की सदस्य रीना यादव, हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया और उप विकास आयुक्त सारा अशरफ सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनी में राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों, सरकारी उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी पहलों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया है। इसके माध्यम से महोत्सव में पहुंचने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सरकार की योजनाओं तथा उनके लाभ की जानकारी दी जा रही है।

राजगीर महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और पर्यटन गतिविधियों के साथ विभागीय प्रदर्शनी को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इसका उद्देश्य आम लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़ना और विकास कार्यों की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना है। प्रदर्शनी के जरिए लोगों को विभिन्न विभागों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी प्रयासों से रूबरू होने का अवसर मिल रहा है।

संविधान की जंग में वैभवगिरि टीम बनी चैंपियन

बिहार खेल विश्वविद्यालय में संविधान दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

आइडियासिटी संवाददाता



राजगीर । संविधान दिवस के अवसर पर बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर में विद्यार्थियों के बीच संविधान की समझ और जागरूकता को परखने के लिए क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें छात्रों के साथ शिक्षकों, खेल प्रशिक्षकों और विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलसचिव रजनीकांत, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने की। समारोह की शुरुआत राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान से हुई। इसके बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया और सभी को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। फिर संविधान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता के नियमों की जानकारी देकर मुकाबला शुरू कराया गया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. निशिकांत तिवारी ने क्विज मास्टर की भूमिका निभाई, जबकि अकादमिक विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ. अजीत कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। प्रतियोगिता में वैभवगिरि टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। उदयगिरि टीम दूसरे और रत्नगिरि टीम तीसरे स्थान पर रही। विजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। मौके पर डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. रवि कुमार सिंह, चंदन कुमार, अनिल कुमार, रौशन कुमार, ब्रजेश कुमार पांडे, यश राज समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक, प्रशिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे। सुश्री सोनाली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय ने इस आयोजन के माध्यम से संविधान के मूल्यों, जिम्मेदार नागरिकता और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

नशे के खिलाफ नालंदा में बच्चों की हुंकार, प्रभात फेरी निकाल दिया नशामुक्त बिहार का संदेश



आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। नशा चाहे जैसा हो, होता है बेकार... इसी संदेश के साथ नशा मुक्ति दिवस एवं संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार को नालंदा में स्कूली बच्चों ने जागरूकता की अलख जगाई। श्रम कल्याण केंद्र से निकाली गई प्रभात फेरी में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने नशे के खिलाफ नारे लगाकर लोगों को जागरूक किया। प्रभात फेरी को एडीएम आपदा रंजन कुमार चौधरी एवं अधीक्षक मद्य निषेध संजय कुमार चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें एसएस बालिका विद्यालय, सोगरा हाई स्कूल, बड़ी पहाड़ी, नालंदा कॉलेजिएट और कस्तूरबा विद्यालय कमरुद्दीनगंज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए सोगरा उच्च विद्यालय पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान डॉ. प्रभाकर सिन्हा और शिक्षक अजय कुमार ने कहा कि नशा शरीर को नुकसान पहुंचाने के साथ गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। इससे व्यक्ति और परिवार दोनों प्रभावित होते हैं। अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने बच्चों और शिक्षकों को संविधान दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी हेमचन्द्र, मीडिया प्रभारी धनंजय कुमार, सोगरा की प्राचार्या शाहिना नाज समेत कई शिक्षक-शिक्षिकाएं और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

12 दिसंबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

बैंक लोन से लेकर बिजली बिल और ट्रैफिक चालान तक का होगा निपटारा

आइडियासिटी संवाददाता



बिहारशरीफ। नालंदा जिले के लोगों के लिए लंबित मामलों के निपटारे का बड़ा अवसर मिलने जा रहा है। वर्ष 2026 की अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत 12 दिसंबर को बिहारशरीफ और हिलसा व्यवहार न्यायालय परिसर में आयोजित होगी। इसमें आपसी सुलह और समझौते के आधार पर बिजली बिल, बैंक ऋण, ट्रैफिक चालान समेत विभिन्न मामलों का निपटारा किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सह न्यायाधीश राजेश कुमार गौरव ने बताया कि लोक अदालत में सुलहनीय आपराधिक एवं दीवानी मामलों के अलावा बिजली, वन विभाग, माप-तौल और बीएसएनएल के बकाया बिल से जुड़े मामलों की सुनवाई होगी। ट्रैफिक चालान के निपटारे के लिए निर्धारित स्थल की जानकारी जल्द दी जाएगी। बैंक ऋण के मामलों में अधिक से अधिक लोगों को राहत दिलाने के लिए बैंक प्रबंधन को नोटिस जारी करने और लोक अदालत से पहले पक्षकारों के साथ बैठक करने का निर्देश दिया गया है।

वहीं, पीएलवी के माध्यम से घर-घर नोटिस पहुंचाए जा रहे हैं। लोक अदालत में समझौते से मामलों का निपटारा होने पर लोगों को लंबी कानूनी प्रक्रिया और अतिरिक्त खर्च से राहत मिल सकती है।

स्कूल से लौट रही छात्रा को चाकू दिखाकर सोने का लॉकेट छीना, सीसीटीवी में कैद हुआ बदमाश

आइडियासिटी संवाददाता

हरनौत। बाजार के पंचशील नगर मोहल्ले में गुरुवार को दिनदहाड़े बदमाश ने चाकू दिखाकर स्कूल से लौट रही छात्रा के गले से सोने का लॉकेट छीन लिया। वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि बदमाश की तस्वीर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पंचशील नगर निवासी रवि कुमार की पत्नी सुनीता कुमारी ने हरनौत थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी सुरिना पटेल 26 नवंबर को दोपहर करीब 2:08 बजे संत पॉल इंग्लिश स्कूल से पढ़कर घर लौट रही थी। इसी दौरान संतोष पंडित के घर के सामने एक अज्ञात युवक ने उसे चाकू दिखाकर गले में पहना मां दुर्गा का सोने का लॉकेट छीन लिया और पंचशील नगर की गली से फरार हो गया। पीड़िता की मां ने पुलिस से आरोपित की पहचान कर गिरफ्तारी की गुहार लगाई है। सीसीटीवी फुटेज में भागते हुए युवक की तस्वीर मिलने से पुलिस को उसकी पहचान में मदद मिलने की उम्मीद है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पईन में डूबने से युवक की गयी जान

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ । बिहार थाना क्षेत्र के मुरौरा गांव में बुधवार की रात पईन में डूबने से युवक की मौत हो गयी। मृतक श्रवण कुमार का 35 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार है। परिजनों ने बताया बुधवार की शाम सोनू घर से टहलने के लिए निकला था। उसके बाद से वापस नहीं लौटा। रात होने पर घर के लोग, ग्रामीणों के साथ मिलकर खोजबीन करने लगे। रात को कुछ पता नहीं चला। गुरुवार की सुबह ग्रामीणों ने पईन में छहला रहे शव को देखकर परिजनों को घटना की सूचना दी। उसके बाद शव को बाहर निकालकर सदर अस्पताल लाया गया। युवक की मौत से गांव में मातम पसर गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।



डकैती की योजना में पांच साल से फरार आरोपित घर से गिरफ्तार, 16 आपराधिक मामले हैं दर्ज

आइडियासिटी संवाददाता



नालंदा।डकैती की योजना बनाने के मामले में पांच वर्षों से फरार चल रहे आरोपित मो. बबलू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस्लामपुर थाना क्षेत्र के मलबिगहा गांव स्थित उसके घर पर बुधवार देर रात छापेमारी कर पुलिस ने उसे दबोचा। गिरफ्तार आरोपित मो. नसीम उर्फ टेनी का पुत्र है। उसके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत 16 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, 9 जुलाई 2021 को डकैती की योजना बनाने के मामले में छह आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई हुई थी। उस दौरान पुलिस ने दो देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, आधा किलो गांजा और चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की थी। बिहार थाना कांड संख्या 423/21 में मो. बबलू लगातार फरार चल रहा था। गुप्त सूचना के आधार पर 25 नवंबर की रात उसकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस के मुताबिक, बिहार, लहेरी, सोहसराय, चंडी और भागनबिगहा थानों में उसके खिलाफ कुल 16 मामले दर्ज हैं।

इनमें गृहभेदन और एनडीपीएस एक्ट के मामले भी शामिल हैं। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

बिंद बाजार में सिटी गोल्ड दुकान में लगी भीषण आग, दुकान का सारा सामान जलकर राख

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका, दुकानदार को हुआ भारी नुकसान

आइडियासिटी संवाददाता

बिंद। बिंद बाजार में बुधवार की रात संतोष गुप्ता की सिटी गोल्ड दुकान में अचानक आग लगने से दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। आग लगने की घटना के बाद बाजार में अफरातफरी मच गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बताया जाता है कि बुधवार की रात दुकान में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने दुकान के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखे सामान को बचाने का मौका नहीं मिल सका। आग की लपटें देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और लोग घटनास्थल की ओर जुटने लगे। आग लगने के कारण दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। घटना से दुकानदार संतोष गुप्ता को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। बाजार में दुकान के अंदर आग लगने की घटना से व्यापारियों में चिंता का माहौल है। अचानक हुई इस घटना ने दुकानदार को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

दो पक्षों के विवाद में हथियार लहराने का आरोप, देसी कट्टा और तीन कारतूस के साथ 58 वर्षीय गिरफ्तार

आइडियासिटी संवाददाता



नूरसराय। थाना क्षेत्र के ईशापुर गांव में दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान अवैध हथियार का प्रदर्शन करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान गांव निवासी 58 वर्षीय विद्या विनोद प्रसाद, पिता कुलदीप नारायण के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, गांव में दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक व्यक्ति द्वारा अवैध हथियार लहराने की सूचना पुलिस को मिली थी। इसके बाद नूरसराय थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देसी कट्टा और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस मामले में नूरसराय थाना कांड संख्या 633/26 दर्ज किया गया है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि मामले में नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है। गांव में विवाद के दौरान हथियार के प्रदर्शन की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

रीना यादव और राजू यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर जदयू कार्यकर्ताओं में खुशी

आइडियासिटी संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहार प्रदेश जनता दल यूनाइटेड की कार्यकारिणी सदस्य रीना यादव एवं विधान पार्षद राजू यादव को नई जिम्मेदारी दिए जाने पर उनके समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि दोनों नेताओं को जिम्मेदारी मिलने से पार्टी और अधिक मजबूत होगी तथा संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, निशांत कुमार सहित पार्टी के सभी शीर्ष नेताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने योग्य और कर्मठ नेताओं को जिम्मेदारी देकर कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया है। इससे संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूती मिलेगी। बधाई देने वालों में विधान पार्षद प्रतिनिधि एवं पूर्व वार्ड पार्षद मोहम्मद एखलाक अहमद, दिलीप कुमार, मनोज यादव, रितेश कुमार, एहतेशाम मलिक, एहसान खान, धर्मेंद्र यादव, हुमायूं रशीद अंसारी, श्रवण यादव सहित कई कार्यकर्ता शामिल हैं।

सरमेरा सड़क हादसे में जख्मी एक और युवक की मौत

दो बाइकों के बीच हुई थी टक्कर, मरने वालों की संख्या हुई 3

आइडियासिटी संवाददाता

सरमेरा : थाना क्षेत्र के एनएच 33, सरमेरा-मोकामा मार्ग पर काजी खंधा के पास बुधवार को दो बाइकों में जबर्दस्त टक्कर हो गयी थी। हादसे में दो युवकों की मौत हो गयी। तीन लोग जख्मी हो गये थे। घायलों का इलाज अलग-अलग अस्पताल में चल रहा था। गुरुवार को एक जख्मी की मौत होने से मरने वालों की संख्या तीन हो गयी। हादसे में जख्मी पटना जिला के घोसवरी थाना क्षेत्र के गोसाईं बिगहा गांव निवासी सुरेश मिस्त्री के पुत्र अविनाश कुमार की जान चली गयी। इस हादसे में सरमेरा थाना क्षेत्र के इसुआ-बेलदरिया गांव निवासी दो युवकों की मौत हो गयी थी।

इसुआ-बेलदिया के एक और गोसाईं बिगहा गांव के एक युवक का इलाज अभी भी चल रहा है।

संविधान दिवस पर बाबा साहेब को किया नमन, 22 प्रतिज्ञाओं का पाठ कर समानता का लिया संकल्प

आइडियासिटी संवाददाता



बिहारशरीफ। देवीसराय चौक पर गुरुवार को अतिपिछड़ा, दलित एवं अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा तथा फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए। साथ ही बाबा साहेब की 22 प्रतिज्ञाओं का पाठ किया गया। कार्यक्रम में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव चौधरी और संस्थापक बलराम साहब ने कहा कि भारतीय संविधान देश की एकता, अखंडता और लोकतंत्र की मजबूत नींव है। संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और मौलिक अधिकार प्रदान करता है। इसके मूल्यों का सम्मान करना और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। वक्ताओं ने बताया कि संविधान सभा ने दो वर्ष, 11 माह और 18 दिन के अथक प्रयास से संविधान तैयार किया था। 26 नवंबर 1949 को इसे अंगीकृत किया गया और 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। वर्ष 2015 से इस दिन को संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। मौके पर उमेश पंडित, महेंद्र प्रसाद, विनोद रजक, लालती देवी सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।



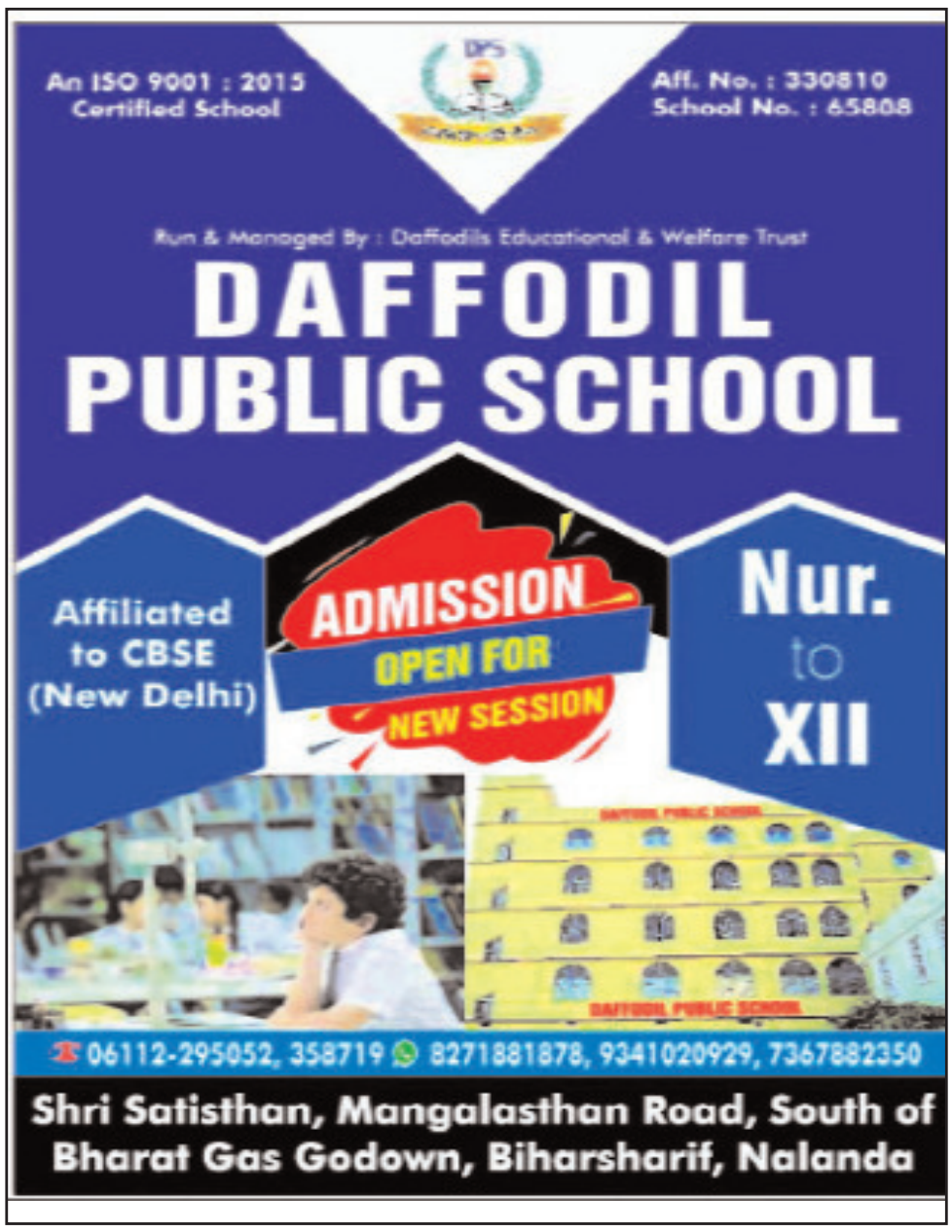

ऐतिहासिक किसान आंदोलन की छठी वर्षगांठ पर निकाला गया विरोध मार्च

आइडियासिटी संवाददाता



बिहारशरीफ। संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी कार्यक्रम के तहत गुरुवार को बिहारशरीफ में अखिल भारतीय किसान महासभा की ओर से ऐतिहासिक किसान आंदोलन की छठी वर्षगांठ और संविधान दिवस के अवसर पर विरोध मार्च निकाला गया। इस दौरान किसानों ने एसआईआर और एफटीए रद्द करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा देने, जहानाबाद के उडेरा स्थान से मुहाने नदी के मुहाने को तत्काल खुलवाने, बटाईदार किसानों को सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा रासायनिक खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। इसके अलावा सभी किसानों के धान की खरीद तीन हजार रुपये प्रति क्विंटल की दर से करने की गारंटी देने, जबरन भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाने, किसानों को उचित दर पर खाद और बीज उपलब्ध कराने तथा बिहार में सैटेलाइट टाउनशिप, टोपोलैंड और लैंड पूलिंग नीति वापस लेने की मांग भी उठाई गई। विरोध मार्च भाकपा माले कार्यालय, कमरुद्दीनगंज से निकलकर रांची रोड होते हुए अस्पताल मोड़ पहुंचा, जहां मार्च सभा में तब्दील हो गया। सभा को संबोधित करते हुए किसान महासभा के जिला सचिव मुनीलाल यादव ने कहा कि केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद से ही किसानों के साथ विश्वासघात किया जा रहा है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों ने 13 महीने तक आंदोलन किया था, जिसमें 750 किसान शहीद हो गए थे। उस समय किसानों के साथ कई समझौते किए गए थे, लेकिन मोदी सरकार ने उन समझौतों को अब तक लागू नहीं किया। सभा की अध्यक्षता किसान महासभा के जिला अध्यक्ष कामेश्वर प्रसाद ने की। सभा को जिला सहसचिव दिनेश प्रसाद यादव, ब्रजकिशोर प्रसाद, अवधेश प्रसाद सिंह, रामप्रीत केवट, शिवशंकर प्रसाद, माले नेता सुनील कुमार, इंकलाबी नौजवान सभा के जिला अध्यक्ष वीरेश कुमार और अधिवक्ता अनिल पटेल सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

"Learning the practical value of knowledge"
NALANDA VIDYA MANDIR
(A Unit of Magadh Educational Society)
Affiliated to C.B.S.E., New Delhi
N.H.-20, Patasang, P.O.: Amba, P.S.- Bhaganbigha, Dist.: Nalanda, State: Bihar-803119
Mob.: 9570230951, 9570230966, 9835630966
Email: nalandavidyamandir@yahoo.in | Website: www.nvm.edu.in
Come enroll with us and get plugged into the world...!!!
Class Nur. to 10+2
• We develop whats already inside you.
• Co-Education. Wi-Fi Campus.
• Ultra Modern and anti Earthquake Building.
• Transport facility.
• Experienced team of teachers.
• Cashless Fee Deposit facility.
• Multimedia Classroom and Library.
• Advance Science & Computer Lab.
• Medical Facility.
• Spacious Playground for Games & Sports.
• Preparation of competitive Exam from Class-IX.
ADMISSION OPEN 2026

गुरुकुल विद्यापीठ
10+2
गुरूकुल सेवायतन न्यास द्वारा संचालित
राजेन्द्र प्रसाद
प्रधानाध्यापक
पटेल उ.वि. बिहारशरीफ
सहायक शिक्षक
आदर्श उ.वि. बिहारशरीफ
आवासीय सुविधा से युक्त अत्याधुनिक छात्रावास
बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत छात्राओं को विशेष छूट
• पटेल नगर, नईसराय, बिहारशरीफ (नालन्दा) मोबाइल - 9835473199
• जगदेव नगर, गाजीपुर, बिन्द (नालन्दा) मोबाइल - 7479559755
www.gurukulvidyapeeth.co | email: gurukulvidyapeethschool@gmail.com

38
GLORIOUS YEARS IN EDUCATION
R.P.S GROUP OF SCHOOLS
AFFILIATED TO C.B.S.E, NEW DELHI, UPTO 10+2 (PCM/PCB/COMMERCE & HUMANITIES
A PLACE FOR TRANSFORMING YOUR WARD'S FUTURE
OUR BRANCHES :
KACHAHARI ROAD | SOHAN KUAN | MAKANPUR | NOORSARAI
MAKE YOUR WARD EXCEL IN ACHIEVING HOLISTIC GOAL
भीड़ से अलग पढ़ाई चाहिए तो RPS आइये...250 सीटें सीमित
ADMISSION OPEN 2026-27
STUDENTS WHY THIS SCHOOL ?
• OUTSTANDING ACADEMIC
• REMEDIAL CLAASES
• MODERN FACILITIES
• SMART CLASSES
• CO-CURRICULAR ACTIVITIES
• SAFETY & SECURITY INSIDE SCHOOL CAMPUS
DEVELOPMENT OF MENTAL FACULTIES
• HOW TO CONCENTRATE ?
• GROUP DISCUSSION & DEBATES
• ANALYSIS & REASONING
• EXPOSURE TO PERSONALITIES
LEADERSHIP & PHYSICAL DEVELOPMENT
• SPORTS COMPLEX
• SECURED TRANSPORT FACILITIES
• DANCE CLASSES & MUSIC CLASSES
• HIGH TECH LABORATORIES
• LIBRARY & REST ROOM
• WELL QUALIFIED AND EXPERIENCED TEACHERS
CONTACT : 06112233707 | 9308711757 | 7897710018 | 9308711757 | 7992425125

(Govt. Recognized)
DISCOVER POSSIBILITIES. DISCOVER YOURSELF.
New-age Schooling for Next Age Learning!
SANSKAR R.S. SCHOOL
SANSKAR
R.S. SCHOOL
Breathing Values, Sharing Knowledge
Er. Sudhanshu Ranjan
Principal
26000 Sq.Ft. Campus Area
Admission Open Hurry Up!
PLAY TO STD 10+2
CBSE ENGLISH MEDIUM
Call : 9471265909, 9905205599
Singar Hat, Opp. of Kagzi Mohalla, Bihar Sharif (Nalanda)
visit us : www.sanskarschools.in